## MARKING SCHEME

# CLASS – XI (2023-24)

# ACCOUNTANCY (903)

| Q.1   | (A)    | Original Entry, प्रारंभिक प्रविष्टि के                                                                                       |          |  |  |  |  |  |
|-------|--------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|----------|--|--|--|--|--|
| Q.2   | Purcha | ase A/c, क्रय खाते में                                                                                                       | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.3   | (D)    | Prepaid Insurance, पूर्वदत्त बीमा                                                                                            | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.4   | (D)    | Transfer Voucher, हस्तांतरण प्रमाणक                                                                                          | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.5   | a)     | Cash Memo b) Invoice                                                                                                         | 1        |  |  |  |  |  |
|       | a)     | कैश मीमो b) बीजक                                                                                                             |          |  |  |  |  |  |
| Q.6   | Assets | = Capital + Liabilities                                                                                                      | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.7   | c)     | खाता बही Ledger                                                                                                              | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.8   | Contra | Entry प्रति प्रविष्टि                                                                                                        | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.9   | (a)    | All cash receipts & payments                                                                                                 | 1        |  |  |  |  |  |
|       |        | समस्त नकद प्राप्तियों और भुगतानों का                                                                                         |          |  |  |  |  |  |
| Q.10  | "Debit | what comes in and credit what goes out"                                                                                      | 1        |  |  |  |  |  |
| या सम |        | तु या सम्पति व्यापार में आती है उसके खाते को डेबिट किया जाता है और<br>पार से बाहर जाती है उसके खाते को क्रेडिट किया जाता है। | जो वस्तु |  |  |  |  |  |
| Q.11  | (B)    |                                                                                                                              | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.12  | विक्रय | मूल्य के बेचे गए माल की लागत पर अधिक्य को सकल लाभ कहते हैं।                                                                  |          |  |  |  |  |  |
|       | Gross  | Profit = Sales – Cost of Goods Sold                                                                                          | 1        |  |  |  |  |  |
| Q.13  | (A)    | A) 1                                                                                                                         |          |  |  |  |  |  |
| Q.14  | Tradin | g Account                                                                                                                    | 1        |  |  |  |  |  |
| O 15  | 5 (C)  |                                                                                                                              |          |  |  |  |  |  |

- Q.16 Name of any 2 internal users of Accounting Information
  - 1) Owners
- b) Management

लेखांकन सूचना के कोई 2 आंतरिक उपयोगकर्ता

स्वामी

2. प्रबन्धक

(1+1=2)

### Q.17 Differentiation between cash basis of accounting and accrual basis of Accounting

| Basics                       | Cash Basis of Accounting        | Accrual Basis of Accounting     |
|------------------------------|---------------------------------|---------------------------------|
| 1. Timing of Recording of an | Only Cash Transactions are      | Cash as well as Non cash        |
| Income                       | recorded                        | transactions are recorded       |
| 2. Suitability               | The basis of Accounting is      | This Basis of Accounting        |
|                              | suitable for Professionals like | suitable for profit for earning |
|                              | Doctors, Lawyers etc.           | organizations                   |

लेखांकन के नकदी आधार एवं लेखांकन के उपार्जन आधार में अंतर

(1+1=2)

| अंतर का आधार              | लेखांकन का नकदी आधार          | लेखांकन का उपार्जन आधार      |
|---------------------------|-------------------------------|------------------------------|
| 1. आयों के लेखांकन का समय | इस आधार में केवल उन्हीं       | इस आधार में सभी आयों का      |
|                           | आयों का लेखांकन किया जाता     |                              |
|                           | है जो नकदी में प्राप्त की गई  | नकदी में प्राप्त की गई हो या |
|                           | है।                           | नहीं                         |
| 2. उपयुक्तता              | यह आधर पेशेवर व्यक्तियों जैसे | यह आधार उन सभी संस्थाओं      |
|                           | डाक्टर, वकील इत्यादि के लिए   | द्वारा अपनाया जाता है जिनका  |
|                           | उपयुक्त है।                   | उद्देश्य लाभोपार्जन करना है। |

Q.18 Double Entry System – Double Entry system is a system where every transaction effects at least 2 accounts. In which one Account is debited and another account is credited.

दोहरा लेखा प्रणाली— एक ऐसी प्रणाली है जिसमें प्रत्येक लेन—देन कम से कम दो खातों को प्रभावित करता है। इनमें से एक खाते को डेबिट और दूसरे को क्रेडिट किया जाता है। 2

- Q.19 Explain the following terms (Any 2)
- i) Revenue These are the amounts of the Business earned by selling its products or providing services to customers.
- ii) Trade Payables- Trade payable include creditors and Bills payable who have to be paid by an enterprise.

- iii) Fictitious Assets- Assets which can't be converted into cash and do not have realizable value. E.g. Debit Balance of Profit & Loss Account.
- iv) Stock- Goods obtained for resale or manufactured for sale that are yet unsold on only particular date is known as stock.

(कोई दो)

- आगम आगम से आशय किसी भी स्त्रोत से प्राप्त होने वाली ऐसी आय से है जो नियमित रुप से प्राप्त होने वाली हो।
- 2. व्यापारिक देयता— व्यापारिक देयता वह राशि है जो व्यवसाय की सामान्य व्यवसायिक क्रियाओं के अंतर्गत माल के क्रय अथवा सेवाएँ प्राप्त करने के सम्बन्ध में देय राशि से सम्बन्धित है। इसमें लेनदार और देय विपत्रों दोनों को सिम्मिलित किया जाता है।
- 3. काल्पनिक सम्पतियाँ— ये वे सम्पतियाँ है जिन्हें रोकड में परिवर्तित नहीं किया जा सकता और न ही इन सम्पतियों से भविष्य में कोई लाभ प्राप्त किया जा सकता है।
- 4. स्टॉक— स्टॉक का अर्थ उस माल से है जो पुनः विक्रय के लिए क्रय किया गया है और जो हिसाबी वर्ष के अंत में बिकने से रह जाता है। (1+1=2)

Any (2)

- Q.20 i) Full Disclosure- This Concept requires that all material; and relevant facts concerning financial performance of an enterprise must be fully and completely disclosed in the financial statements and their accompanying footnotes.
  - ii) Consistency This concept states that Accounting policies and practices followed by enterprises should be uniform and consistent. When the same Accounting principles are applied over a period of time, then results can be compared.
  - iii) Materiality This concept states that Accounting should focus on materials fats. If the item is likely to influence the decision of a reasonably prudent investor or creditor it should be regarded as material and shown in financial statements.
  - iv) Conservatism- This concept requires that business transactions should be recorded in such a manner that profits are not overstated. All anticipated losses should be accounted for but all unrealized gains should be ignored.
  - 1. पूर्ण प्रकटीकरण— इस सिद्धांत के अनुसार व्यवसाय में वित्तिय मामलों से सम्बन्धित सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ पूर्ण रुप से प्रकट कर देनी चाहिए। जो सूचनाएँ वितिय विवरण प्रयोग करने वाले पक्षकारों जैसे स्वामियों, वर्तमान व भावी लेनदारों आदि के लिए महत्वपूर्ण है उनका पर्याप्त प्रकटीकरण होना चाहिए।

- 2. सारता— यह परिपाटी पूर्ण प्रकटीकरण की परिपाटी का अपवाद है। इस परिपाटी के अनुसार ऐसी मदें जो बिल्कुल महत्वहीन है और वितीय विवरणों के प्रयोग करने वालों के लिए असंगत है उन्हें प्रकट करने की आवश्यकता नहीं है।
- 3. सर्तकता की परिपाटी— इस सिद्धांत के अनुसार भविष्य में होने वाली समस्त सम्भावित हानियों के लेखे के लिए तो पहले से ही व्यवस्था कर ली जाती है परन्तु सम्भावित लाभों को छोड़ दिया जाता है। (1+1=2)
- Q.21 Purchase Book Purchase Book is a subsidiary Book in which all credit purchase of goods are recorded.

क्रय पुस्तक— क्रय बहीं में केवल क्रय, किए गए माल का लेखा किया जाता है, माल का अर्थ उन वस्तुओं से है जिनका फर्म व्यवसाय कर रही है।

Q.22 Cost of Goods Sold = Total Purchase – Return Outward + Direct Expenses 3

= Rs. 8,00,000 - Rs. 20,000 + Rs. 60,000 = Rs. 8,40,000/-

Cost of 2/3 of goods sold = Rs.  $840000 \times 2/3 = 5,60,000/-$ 

2/3 of the goods are sold for Rs. 6,10,000/-

Gross Profit = Sales - Cost of Goods sold = Rs. 6,10,000/- Rs. 5,60,000/- = Rs. 50,000/-

Q.23 Journals Entries

| Date | Particulars                    |            | Amount Dr. | Amount Cr. |
|------|--------------------------------|------------|------------|------------|
| 1    | Suspense A/c                   | Dr.        | 6,000      | 6,000      |
|      | To Furniture A/c               |            |            |            |
|      | (Depreciation on Furniture not | posted to  |            |            |
|      | Furniture A/c)                 |            |            |            |
| 2    | Rupam                          | Dr.        | 3,000      | 3,000      |
|      | To sales A/c                   |            |            |            |
|      | (Credit Sale to Rupam under re | ecorded in |            |            |
|      | Sales Book)                    |            |            |            |
| 3    | Purchases A/c                  | Dr.        | 2,000      | 2,000      |
|      | To suspense A/c                |            |            |            |
|      | (Purchase Book was undereast)  |            |            |            |

(1x3=3)

OR

Errors affecting Trial Balance (Any 2 with explanation)

1. Errors of Casting

- 2. Error of Carring Forward
- 3. Error of Balancing
- 4. Error of Posting
- 5. Posting to the wrong side with the wrong amount
- 6. Omitting to show an account in the trial Balance.
- 1. तलपट को प्रभावित करने वाली कोई 2 अशुद्धियों जब किसी सहायक पुस्तक का जोड कम या अधिक लग जाता है।
- 2. जब किसी खाते में खतौनी करना भूल जाते हैं।
- 3. जब किसी खाते में गलत पक्ष में खतौनी कर जाते हैं।
- 4. जब किसी खाते में कम या अधिक राशि से खतौनी कर जाते हैं। (1.5+1.5=3)

(कोई-2 विस्तार से)

## Q.24 Accounting Equation

 $(0.5 \times 6=3)$ 

| Sr. No. | Transactions                                       | Assets                                                             |                  |  |  |  |
|---------|----------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------|------------------|--|--|--|
|         |                                                    | Cash + Stock + Building = Creditors + Exp. + Outstanding + Capital |                  |  |  |  |
| 1       | Started Business with Cash, goods & Building       | 2,30,000+100,000+200000 =                                          | 530000           |  |  |  |
| 2       | Equation Purchased goods for Cash                  | 230000+100000+200000=<br>(-) 50000+50000                           | 530000           |  |  |  |
| 3       | New Equation Purchased goods from Rahul            | 180000+15000+20000=<br>55000 55000                                 | 530000           |  |  |  |
| 4       | New Equation Paid Cash to Rahul in full settlement | 180000+205000+200000= 55000+<br>-53000 = -55000                    | 530000<br>+2000  |  |  |  |
| 5       | New Equation Salary Paid                           | 127000+205000+200000=0<br>(-) 20000                                | 532000<br>-20000 |  |  |  |
| 6       | New Equation Rent Outstanding                      | 107000+205000+20000=<br>+3000                                      | 512000<br>-3000  |  |  |  |
|         | Final Equation                                     | 107000+205000+200000= 3000+509000                                  |                  |  |  |  |

# Q.25 Bank Reconciliation Statement As on 31<sup>st</sup> December, 2023

| Particulars                                        | Plus Items (Rs.) | Minus Items (Rs.) |
|----------------------------------------------------|------------------|-------------------|
| Overdraft as per pass book                         |                  | 20000             |
| i) Bank charges Debited by Bank                    | 500              |                   |
| ii) Cheques recorded in cash Book but not sent for | 2500             |                   |
| collection                                         |                  |                   |
| iii) Payment received directly from customer       |                  | 4600              |
| iv) Cheques issued but not presented for payment   |                  | 6980              |
| v) Interest credited by Bank                       |                  | 100               |
| vi) LIC paid by Bank                               | 2500             |                   |
|                                                    | 5500             | 31680             |
| Overdraft as per Cash Book                         |                  | 22680             |

(0.5 x 6=3)

## Q.26 Journal

| Date | Particulars                                  | Amount<br>Debit (Rs.) | Amount       |
|------|----------------------------------------------|-----------------------|--------------|
| 1    | Loss of Goods by Fire A/c Dr.                |                       | Credit (Rs.) |
| 1    | To Purchases A/c                             | 2000                  | 2000         |
|      | (Goods destroyed by Fire)                    |                       | 2000         |
| 2    | Rent A/c Dr.                                 | 1000                  |              |
| 2    | To rent Outstanding A/c                      | 1000                  | 1000         |
|      | (Rent Outstanding)                           |                       | 1000         |
| 3    | Drawings A/c Dr.                             |                       |              |
| 3    | To interest on Drawings A/c                  | 900                   |              |
|      | (Interest on Drawing)                        | 300                   | 900          |
| 4    | Bad Debts A/c Dr.                            | 1000                  | 300          |
| 4    | To Rohit                                     | 1000                  | 1000         |
|      | (Rs. 1,000 due from Rohit are now bad debts) |                       | 1000         |
| 5    | Drawings A/c Dr.                             | 2000                  |              |
| ٦    | To purchases A/c                             | 2000                  | 2000         |
|      | · · · · · · · · · · · · · · · · · · ·        |                       | 2000         |
| 6    | (Goods withdrawn by Proprietor)              | F00                   |              |
| b    | Depreciation A/c Dr.                         | 500                   | F00          |
|      | To Machine A/c                               | 10/100                | 500          |
|      | (Depreciation Charged on Machine (30000 x 3  | 10/100 X              |              |
|      | 2/12)                                        |                       |              |

Any -3 (1x3=3)

## As at 31<sup>st</sup> March 2023

| Name of Accounts  | Balance Dr. (Rs.) | Balance Cr. (Rs.) |
|-------------------|-------------------|-------------------|
| Bank Overdraft    |                   | 8000              |
| Machinery         | 24000             |                   |
| Capital           |                   | 60000             |
| Salaries          | 3600              |                   |
| Interest on Loan  | 1200              |                   |
| Discount Received |                   | 1500              |
| Suspense A/c      | 40700             |                   |
| Total             | 69500             | 69500             |

Q.28 Two Column Cash Book (3)

| Date   | Particulars    | LF | Cash  | Bank  | Date   | Particulars     | LF | Cash  | Bank  |
|--------|----------------|----|-------|-------|--------|-----------------|----|-------|-------|
|        |                |    | (Rs.) | (Rs.) |        |                 |    | (Rs.) | (Rs.) |
| 2020   | To Balance b/d |    | 3500  |       | Jan 1  | By Balance b/d  |    |       | 2300  |
| Jan 1  |                |    |       |       |        |                 |    |       |       |
| Jan 10 | To Sales A/c   |    | 8000  |       | Jan 3  | By Purchase A/c |    | 1200  |       |
| Jan 15 | To Cash A/c    | С  |       | 6000  | Jan 5  | By Wages A/c    |    | 200   |       |
| Jan 22 | To Sales A/c   |    |       | 2000  | Jan 15 | By Bank A/c     | С  | 6000  |       |
|        |                |    |       |       | Jan 25 | By Rent A/c     |    |       | 1200  |
|        |                |    |       |       | Jan 28 | By Drawings A/c |    |       | 1000  |
|        |                |    |       |       | Jan 31 | By Purchase A/c |    |       | 1000  |
|        |                |    |       |       | Jan 31 | To Balance c/d  |    | 4100  | 2500  |
|        |                |    | 11500 | 8000  |        |                 |    | 11500 | 8000  |
| Feb. 1 | To Balance b/d |    | 4100  | 2500  |        |                 |    |       |       |

½ mark for each entry (5)

(3)

OR

Petty Cash Book – A Book used to record small cash payment is called petty cash book. Pety cash Book works on Imprest system. Under this system, a definite sum is given to petty cashier at the beginning of a certain period.

This amount is called imprest amount. The petty cashier goes on making all small payments out of this imprest amount and when he has spent the substantial portion, he gets reimbursement from the head cashier.

Advantages of Petty Cash Book (Any 3 with explanation)

- 1. Saving of Time
- 2. Saving of Efforts of Cashier

- 3. Effective Control Over Cash Disbursements
- 4. Convenient Recording

लघु रोकड़ बही— छोटे—छोटे व्यय का लेखांकन करने के लिए जो बही बनाई जाती है। उसे लघु रोकड़ बही कहते हैं। इस पद्धित में लघु रोकडिए को एक निश्चित अवधि के प्रारंभ में एक निश्चित राशि अग्रिम दे दिए जाते हैं। इस राशि को अग्रदाय राशि कहा जाता है। लघु रोकड़िया इस राशि में से छोटे—छोटे खर्चों का भुगतान करता रहता है और इन खर्चों को लघु रोकड़ बही में लिखता रहता है। निश्चित अवधि के अंत में जितने उसने खर्च किए हैं उतने रुपये प्रधान रोकड़िया उसे पुनः दे देता है।

लघु रोकड बही के लाभ (कोई 3 विस्तार से)

- 1. गबन पर नियंत्रण
- 2. लघू व्ययों पर नियंत्रण
- 3. प्रधान रोकडिए द्वारा नियंत्रण
- 4. लघु रोकडिए द्वारा रोकड के दुरुपयोग के कम अवसर
- 5. लघु रोकडिए के लिए लाभ प्रद

(2+3=5)

Q.29

**Machinery Account** 

Dr. Cr.

| Date    | Particulars | Amount (Rs.) | Date   | Particulars     | Amount (Rs.) |
|---------|-------------|--------------|--------|-----------------|--------------|
| 2023    | To Bank A/c | 120000       | 2024   | By Depreciation | 6750         |
| July 1  |             |              | 31 Mar | By Balance c/d  | 113250       |
|         |             | 120000       |        |                 | 120000       |
| 2024    | To Bal b/d  | 113250       | 2025   | By Depreciation | 9000         |
| 1 April |             |              | 31 Mar | By Balance c/d  | 104250       |
|         |             | 113250       |        |                 | 113250       |
| 2025    | To Bal. b/d | 104250       | 2026   | By Depreciation | 9000         |
| 1 April |             |              | 31 Mar | By Balance c/d  | 95250        |
|         |             | 104250       |        |                 | 104250       |

(3)

#### **Depreciation Account**

Dr. Cr.

| Date    | Particulars      | Amount | Date   | Particulars                   | Amount |
|---------|------------------|--------|--------|-------------------------------|--------|
| 2024    | To Machinery A/c | 6750   | 2024   | By statement of Profit & Loss | 6750   |
| 31 Mar  |                  |        | 31 Mar |                               |        |
| 2025 31 | To machinery     | 9000   | 2025   | By statement of Profit & Loss | 9000   |
| March   |                  |        | 31 Mar |                               |        |
| 2026 31 | To machinery A/c | 9000   | 2026   | BY Statement of Profit and    | 9000   |
| March   |                  |        | 31 Mar | Loss                          |        |

(2)

(3+2=5)

OR

Depreciation: Depreciation is permanent/ continuous and gradual decrease in to book value of fixed assets. It is based on cost of assets consumed in a business and not in its market value.

Causes of Depreciation (Any 4) with Explanation

- 1. Wear and tear due to use
- 2. Wear and tear due to passage of time
- 3. Expiration of Legal Rights
- 4. Obsolescence

हास— एक सम्पति के मूल्य में सिकी भी कारण से होने वाली शनैः शनैः एवं स्थायी कमी को हास कहा जाता है।

मूल्य हास के कारण- कोई 4 विस्तार से

- 1. निरंतर प्रयोग करने से
- 2. समय व्यतीत होने से
- 3. कानूनी अधिकारों की अवधि समाप्त होने से
- 4. अप्रचलन के कारण
- रुर्घटना के कारण (1+4=5)

## Trading and Profit and Loss A/c

### For the year ending 31 March, 2024

| Particulars             | Amount (Rs.) | Particulars      | Amount (Rs.) |
|-------------------------|--------------|------------------|--------------|
| To Opening Stock        | 20000        | By Sales         | 245000       |
| To Purchases            | 190000       | By Closing Stock | 8000         |
| To Carriage on Purchase | 1500         | By Gross Loss    | 13500        |
| To Wages                | 55000        |                  |              |
|                         | 266500       |                  | 266500       |
| By Gross Loss           | 13500        | By Net Loss      | 25000        |
| To Postage              | 300          |                  |              |
| To Sundry Exp.          | 1700         |                  |              |
| To Rent                 | 4500         |                  |              |
| To Depreciation A/c     | 5000         |                  |              |
|                         | 25000        |                  | 25000        |

#### **Balance Sheet**

## As on 31<sup>st</sup> March 2024

| Liabilities           | Amount (Rs.) | Assets                   | Amount (Rs.) |
|-----------------------|--------------|--------------------------|--------------|
| Creditors             | 10000        | Cash                     | 5000         |
| Bill Payable          | 4000         | Bank                     | 1000         |
| Capital 200000        |              | Debtors                  | 27000        |
| Loss Net Loss (25000) |              | Closing Stock            | 8000         |
| Less Drawings (9000)  | 166000       | Furniture                | 35000        |
|                       |              | Machinery 100000         |              |
|                       |              | Less Depreciation (5000) | 95000        |
|                       | 185000       |                          | 185000       |

(1+2+2=5)

OR

## Purpose of Preparing Balance Sheet (Any Five with explanation)

- 1. To know the financial position of Business
- 2. To know the progress of Assets
- 3. To know the exact value of liabilities
- 4. To know the amount of Capital invested in Business
- 5. To know the solvency position of Business
- 6. Opening Entries of New Financial year prepared on the Basis of Balance Sheet.

स्थिति विवरण बनाने की आवश्यकता (कोई 5 विस्तार स)

- 1. स्थिति विवरण बनाने का प्रमुख उद्देश्य किसी निश्चित तिथि को व्यवसाय की सही—सही वितिय स्थिति ज्ञात करना है।
- 2. इसमें समस्त सम्पतियों की प्रगति और उनकी लागत का ज्ञान प्राप्त होता है।
- 3. इससे दायित्वों की प्रकृति और मूल्य का ज्ञान प्राप्त होता है।
- 4. इससे व्यवसाय में वर्ष के अंत में कुल कितनी पूंजी लगी है इसका ज्ञान होता है।
- 5. इससे व्यवसाय की समर्थता का ज्ञान होता है।
- 6. स्थिति विवरण के आधार पर ही नए वर्ष के प्रथम दिन प्रारंभिक प्रविष्टियाँ की जाती हैं।

(1x5=5)